Total Pages : 8

1382/R

I Year Arts Examination, 2017

HINDI LITERATURE

Paper–II

(गद्य)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART - A (खण्ड-अ) [Marks : 20

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - B (खण्ड-ब) [Marks : 50

Answer *five* questions (250 words each).
Selecting *one* from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - C (खण्ड-स) [Marks : 30

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

इकाई-I

1. (क) अलख आजादी का मूल उद्देश्य बताइये।

(ख) अलख आजादी की नाटक के आरंभिक दो प्रदर्शन कब हुए?

इकाई-II

(ग) आधुनिक निबंध में संकलित 'गिलहरी' निबंध के रचनाकार का नाम लिखिए।

(घ) साहित्यकार की आस्था से क्या तात्पर्य है?

इकाई-III

(ङ) स्वयं भक्त और संत कवि-भक्तों और संतों में वैसा भेद न करते जैसा आलोचक करते हैं। यह पंक्ति किस निबंध की है?

(च) डॉ. रामविलास शर्मा के दो निबन्ध संग्रहों के नाम लिखो।

इकाई-IV

(छ) भारतेन्दु रचित नाटकों के नाम बताइए।

(ज) नाटक व एकांकी में अंतर लिखिए।

इकाई-V

(झ) भारतेन्दुयुगीन कोई दो निबंधकारों के नाम लिखिए।

(ञ) पाठ्य-पुस्तक में कौन-सा निबंध व्यंग्य-विनोदपूर्ण शैली का है?

खण्ड-ब

इकाई-I

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

..... तो भय्या गाँधीजी ने शुरू किया सत्याग्रह ..... अब गोरों ने लाठी डंडा गोली सब चलाई पर कोई टस-से-मस नहीं हुआ। आगे की पंक्ति के लोग

घायल हो जाते तो स्वयं सेवक उन्हें उठा ले। नए लोग सीना तान कर फिर सामने आ जाते ..... ये सिलसिला चलता रहा ..... कई जगह कई दिन किसी ने उफ् तक नहीं की ..... और न हीं किसी ने पलट कर वार किया .....

अथवा

इधर वाले कहते हैं ये तुम्हारा मुल्क नहीं है, उधर जाओ। ..... उधर वाले कहते हैं दफा हो जाओ ..... ये मुल्क तुम्हारा नहीं है। ..... इधर वाले कहते हैं ये हिन्दुओं का है। ..... उधर वाले कहते हैं ये मुसलमानों का है। (फफककर रो पड़ता है।) न मैं मुसलमान हूँ न मैं हिन्दू हूँ ..... मैं तो एक इंसान हूँ ..... फिर ..... फिर इंसानों का मुल्क कौन सा हुआ? ..... मैं कहाँ जाऊँ ? ..... इंसान कहाँ जाएँ।

इकाई-II

3. हम लोग जानवर पालते हैं तो उन्हें इसी तरह सिखाते हैं। जिसे हम उचित कर्म मानते हैं उसे करने पर पुरस्कार का टुक्कड़ जिसे हम अनुचित समझते हैं उसे करने पर शास्ति इस प्रकार सुखद और दुखद परिणामों से ही पशु में सम्मत और निषिद्ध का ज्ञान जगाया जाता है। पर ज्ञान उसे नहीं कहना चाहिए कि उसके स्नायनिक संचालन-केन्द्र पर निषिद्ध की गहरी लीकें पड़ जाती है शिशु की शिक्षा भी इसी तरह होती है।

अथवा

इससे प्रकट है कि दूसरों के दु:ख से दुखी होने का नियम व्यापक है और दूसरों के सुख से सुखी होने का नियम उसकी अपेक्षा परिमित है। इसके अतिरिक्त दूसरों को सुखी देखकर जो आनंद होता है उसका न तो कोई अलग नाम रखा गया और न उसमें वेग या प्रेरणा होती है। पर दूसरों के दु:ख के परिज्ञान से जो दु:ख होता है वह करुणा, दया आदि नामों से पुकारा जाता है और अपने कारण को दूर करने की उत्तेजना करता है।

इकाई-III

4. भक्ति आंदोलन अखिल भारतीय सांस्कृतिक आंदोलन था। इस आंदोलन की श्रेष्ठ देन थे तुलसीदास। उन्होंने निर्गुण-पंथियों और सगुण मतावलंबियों को एक किया, उन्होंने वैष्णवों और शाक्तों को मिलाया। उन्होंने भक्ति के आधार पर जनसाधारण के लिए धर्म को सरल और सुलभ बनाकर पुरोहितों के धार्मिक एकाधिकार की जड़ें हिला दी। तुलसीदास मानवीय करुणा के अन्यतम कवि हैं।

अथवा

आज के साहित्यकार का आयुष्य-क्रम क्या है? विद्यार्जन डिग्री और इसी बीच साहित्यिक प्रयास विवाह पर सोफासेट ऐरिस्ट्रोक्रेटिक लिविंग महानों से व्यक्तिगत सम्पर्क श्रेष्ठ प्रकाशकों द्वारा अपनी पुस्तकों का प्रकाशन सरकारी पुरस्कार अथवा ऐसी ही कोई विशेष उपलब्धि और चालीसवें वर्ष के आस-पास अमरीका या रूस जाने की तैयारी किसी व्यक्ति या संस्था की सहायता से अपनी कृतियों का अंग्रेजी या रूसी में अनुवाद किसी बड़े भारी सेठ के यहाँ या सरकार के यहाँ ऊँचे किस्म की नौकरी....

इकाई-IV

5. हिन्दी रंगमंच के उद्‌भव एवं विकास का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

अथवा

भारतेन्दुयुगीन हिन्दी नाटकों में राष्ट्रीय चेतना को स्पष्ट कीजिये।

इकाई-V

6. निबंध साहित्य के विकास में आचार्य शुक्ल के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

द्विवेदीयुगीन निबंधों की विशेषताएँ बताते हुए इस युग के प्रमुख निबंधकारों व उनके निबंधों का विवरण प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड-स

7. रंगमंच की दृष्टि से 'अलख आजादी की' एक सफल नाट्य रचना है। स्पष्ट कीजिए।

8. 'देवदारू' निबंध में व्यक्त विचारों को अपने शब्दों में लिखिए।

9. आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी के समीक्षात्मक निबंध 'छायावाद' में व्यक्त विचारों पर प्रकाश डालिए।

10. 'अलख आजादी की' नाटक का नाटक के तत्त्वों के आधार पर मूल्यांकन कीजिए।